

मुरलिया रोबे रे- सूने कदम की दूँया  
अपनी कोई नैहाँ रे  
बिना श्याम के इते हमारो- कोई नैहाँ रे

महल है सूने अठारी सूनी  
सूने अँगना द्वारे  
ओ कान्हा सूने अँगना द्वारे  
तुम न आये श्याम मुरारी  
गिन- गिन हारे तारे  
अपनी कोई - - - -

बिना श्याम - - - - मुरलिया - - - -

यशुदा रोवें- गौरें रोवें  
रोवें ग्वाल और बाले  
ओ कान्हा रोवें ग्वाल और बाले  
बेदरी बन गये कन्हैया  
जीवन के रखवाले  
अपनी कोई - - - -

बिना श्याम - - - - मुरलिया - - - -



ले-ले मटकी चलीं सहेली  
 रो-रो राह निहारें  
 ओ कान्हा रो-रो राह निहारें  
 तुम बिन जीवन सूना लागे  
 कोई न हमें निहारें  
 अपनो कोई-----

बिना श्याम---- मुरीठिया----

जाय बसे गोकुल से मथुरा  
 काहे श्याम मुरारी  
 ओ कान्हा काहे श्याम मुरारी  
 गही श्रीबाबा श्री शरण जो मैंने  
 होड़ के दुनियाँ सारी  
 हमारो कोई-----

बिना श्याम---- मुरीठिया----